रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 1, 2015/आषाढ़ 10, 1937
No. 177] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 1, 2015/ASADHA 10, 1937

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

(अनुसूचित जाति विकास)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2015

सं. 17020/05/2015–एससीडी–VI.—यह वर्ष 2015 डा. बी.आर. अम्बेडकर का 125वां वर्षगांठ वर्ष है। डा. अम्बेडकर का सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक क्षेत्रों में बड़ा योगदान है और वे आधुनिक भारत के प्रमुख निर्माताओं में से एक हैं। डा. अम्बेडकर का जीवन लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। वे अत्यधिक चुनौतीपूर्ण वातावरण में बड़े हुए और उन्होंने बचपन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया। एकमात्र दृढ़ निश्चय, भारी कठिन कार्य और अपमान के करण डा. अम्बेडकर ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चतर शिक्षा पूर्ण की;

और इन्हें भारत के संविधान के शिल्पी के नाम से जाना जाता है। वंचित वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इसे एक शक्तिशाली दस्तावेज बनाने हेतु संविधान को लिखने में उनका श्रमसाध्य कार्य उल्लेखनीय है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सरकार के प्रजातांत्रिक तंत्र में उपयुक्त अंकुश और संतुलन हैं तथा सुनिश्चित किया कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के तीनों अंग एक दूसरे के प्रति उत्तरदायी होते हुए स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं;

और डा. अम्बेडकर बहु आयामी विचार और बहुमुखी प्रतिभा रखते थे। उनके अत्यधिक घटनाप्रद जीवन में, डा. अम्बेडकर ने एक अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, मानव–विज्ञानी, शिक्षाविद, पत्रकार के रूप में, तुलनात्मक धर्म पर अधिकार के रूप में एक नीति निर्माता और प्रशासक के रूप में और एक प्रतिष्ठित न्यायविद के अलावा एक संसदविद के रूप में उत्कृष्ट योगदान किया था। एक अति उत्सुक अध्ययनकर्त्ता, डा. अम्बेडकर ने निरक्षरता, अज्ञानता और अविश्वास से सामाजिक रूप से पिछड़ापन से मुक्ति के लिए एक औजार के रूप में शिक्षा को देखा था। डा. अम्बेडकर लिंग समानता के पक्षधर थे और उन्होंने विरासत और विवाह में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की लड़ाई लड़ी। डा. अम्बेडकर की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक दृष्टिकोण था और भारत में महिलाओं की उन्नति के रास्ते में बाधाओं को तोड़ने के लिए लड़े थे;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार ने यह निश्चय किया है कि इस वर्ष से आरंभ करते हुए प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल, को अवकाश दिवस घोषित किए बिना, संपूर्ण देश में ''राष्ट्रीय समरसता दिवस'' मनाया जाए, और समरसता को महसूस करें जो डॉ. अम्बेडकर जी के लिए एक उचित श्रृद्धांजलि होगी।

बी.एल. मीना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

(SCHEDULED CASTE DEVELOPMENT)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th June, 2015

No. 17020/05/2015-SCD-VI.—Whereas the year 2015 marks the 125th Birth Anniversary year of Dr. B.R. Ambedkar. The contribution of Dr. Ambedkar in social, political and economic sectors is enormous and he is one of the key founders of the Modern India. The life of Dr. Ambedkar is an inspiration to the millions. Grown ip in very challenging environment and having faced many difficulties in childhood, Dr. Ambedkar completed higher education in best of the universities in the world, only due to sheer determination, tremendous hard work and humility;

And, whereas, the architect of Constitution of India. His hard work done in the drafting of the constitution and make it a powerful tool for social and economic empowerment of the downtrodden are praiseworthy. He ensured that there are appropriate checks and balances in the democratic system of Govt. and ensured that the three wings of executive, legislature and judiciary function independently with accountability to one another;

And, whereas, Dr. Ambedkar had multiple thoughts/ideas as well as multiple careers. In the course of his most eventful life, Dr. Ambedkar made outstanding contribution as an economist, sociologist, anthropologist, educationist, journalist, as an authority on comparative religion, as a policy-maker, an administrator, and as a parliamentarian, besides being a renowned jurist. A voracious reader, Dr. Ambedkar saw education as a tool for the liberation of the socially backward from illiteracy, ignorance and superstition. Dr. Ambedkar was also a crusader for gender equality and fought for equal rights for women in inheritance and marriage. Dr. Ambedkar had a vision for women empowerment and stood up to break down the barriers in the way of advancement of women in India;

Now, therefore, the Central Government has decided to observe the 14th day of April, every year, as the "Rashtriya Samrasta Divas", being from this year, throughout the country without declaring it as a holiday, and to have a feeling of Samrasta, which will be an appropriate tribute to Dr. Ambedkar.

B.L. MEENA, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.